(जुलाई–दिसम्बर 2020 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, तृतीय सेमेस्टर

MHL-E315

भाषा शिक्षण

पूर्णांक : 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट – 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई – 1

- भाषा–शिक्षण : उद्देश्य और स्वरूप
- भाषा–शिक्षण के सिद्धान्त : उद्दीपन–अनुक्रिया पुनर्बलन सिद्धान्त, माध्यमीकरण, अंतर्जातक्षमता, संज्ञानात्मक विकास।
- भाषा–शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार : मातृभाषा, द्वितीय भाषा। विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहायक भाषा, संपूरक भाषा।

इकाई – 2

- मातृभाषा–शिक्षण और अन्य भाषा–शिक्षण में अंतर। द्वितीय भाषा–शिक्षण और विदेशी भाषा–शिक्षण।
- भाषा–शिक्षण की विधियाँ : व्याकरण–अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण–भाषण विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, संप्रेषणात्मक विधि।

इकाई – 3

- भाषा कौशल और उनका विकास : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशलों का स्वरूप और उनमें योग्यता प्राप्ति के विविध सोपान।
- भाषा–शिक्षण में उपयोगी साधन–सामग्री : औपचारिक भाषा–शिक्षण, नक्शे, चार्ट, चित्र, भाषा–प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा–शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि।

इकाई – 4

- भाषा–शिक्षण और अभिरचना अभ्यास : आधारभूत सिद्धान्त और मान्यताएँ, अभिरचना अभ्यास की सार्थकता और सीमाएँ।
- व्यतिरेकी विश्लेषण : आधारभूत सिद्धान्त और मान्यताएँ, भाषिक व्याघात। व्यतिरेकी विश्लेषण की प्रक्रिया, व्यतिरेकी विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ।

इकाई – 5

- त्रुटि–विश्लेषण – आधारभूत सिद्धान्त और मान्यताएँ। त्रुटियों के स्रोत–अंतरभाषा की अवधारणा, शिक्षार्थी व्याकरण की संकल्पना और त्रुटि–विश्लेषण, त्रुटि–विश्लेषण की सार्थकता और सीमाएँ।
- भाषा–परीक्षण और मूल्यांकन, भाषा–शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियाँ।
- द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी भाषा–शिक्षण।
- हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

संदर्भ सामग्री

1. भाषा शिक्षण – डॉ० रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा
3. भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण – किशोरी लाल शर्मा
4. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह
5. हिन्दी शिक्षण – कर्ण सिंह